et जात *usu ita distingui videntur, ut illud passivam, hoc, ubi non ad* जन् *cl.* 4. *pertinet, activam significationem habeat, sicut* शक्-posse format शकित *cum sensu pass. et* शक्त potens, capax; *e.c.* MAH. 1.3036.: भार्यायाञ् जनितम् पुत्रम् आदर्शेषु इव चा "ननम्। ह्लादते जनिता प्रेक्ष्य स्वर्गम् प्राप्ये 'व पुण्यकृत्; प्रजाता quae peperit. MAH. 1.3046. (Gr. ΓΕΝ, γίγνομαι; lat. *GEN, gigno, genui, (g)nascor, gnatus*; hib. *genim* «I beget, generate»; lith. *gemù* nascor, *gaminu* gigno, *gim-minė* genus, cujus suffixum convenit c. scr. मान, gr. μενος; *gen-tis* cognatus; goth. *KIN* germinare, *keina, kain, kinum*; *kuni*, Th. *kunja*, genus; nostrum *keime, Kin-d* i. e. genitus; v. जन, जनी.)

c. अधि *id.* RAGH. 18.23.: ईश्वरेण तेन क्षितेरु विश्वसहो 'धिजज्ञे.

c. प्र parere. प्रजाता quae peperit. MAH. 1.3046.: प्रजाता 'हम् ... इमङ् कुमारम्.

2. जन् 4. *A.* जाये (v. gr. 332.) 1) nasci. HIT. 4.19.: मृतो को वा न जायते; *c. loc.* matris *et ablat.* patris: MAN. 10.64.: शूद्रायाम् ब्राह्मणाज् जातः; MAH. 1.371.: शकुन्तलायान् दुष्मन्ताद् भरतश्चा 'पि जज्ञिवान्. 2) oriri. RAM. I. 35.15.: सप्त स्रोतांसि जज्ञिरे; 48.5.: यष्टुम् मतिरु अजायत; III. 55.19.: शब्दो जायते तुमुलः. 3) fieri. NALOD. 1.42.: आयतया वीक्ष्य दृशा तं स्मरातुरा 'जयत; MAH. 1.6625.: क्षुधार्त्ता जज्ञिरे जनाः. — *Caus.* जनयामि, *Praet. mltf.* अजीजनम् (gr. 526.) facere ut aliquis nascatur, oriatur, gignere, procreare, parere, *c. loc. feminae ex quâ aliquis liberum gignit.* N. 5. 47.: जनयामासच नलो दमयन्त्याम् ... इन्द्रसेनं सुतञ्चा 'पि इन्द्रसेनाञ्च कन्यकाम्; A. 6.13.: स तु शब्दः ... प्रतिशब्दम् अजीजनत्; R. I. 15.83.: कौशल्या 'जनयद् रामम्.

c. अनु postea nasci. MAN. 9.134.: यदि पुत्रो ऽनुजायते.

c. अभि nasci, oriri. BH. 2.62.: कामात् क्रोधो ऽभिजायते; 16.5.: सम्पदन् दैवीम् अभिजातो ऽसि ad divinam sortem natus es.

c. उप *id.* HIT. 8.3.: अस्मिन् न निर्गुणङ् गोत्रे अपत्यम् उपजायते; BH. 2.62.: सङ्गस् तेषु 'पजायते propensio erga eas (res sensuales) oritur; 14.2.: सर्गे ऽपि नो 'पजायन्ते.

c. प्र *id.* MAH. 1.4660.: इह तस्मात् प्रजाहेतोः प्रजायन्ते नरोत्तमाः. *De* प्रजाता quae peperit *v.* जन् *cl.* 3.

c. वि *active* parere. R. Schl. I. 27.8.: यक्षी पुत्रम् व्यजायत.

c. सम् 1) nasci. R. I. 57.20.: तस्माद् मरीचिः सञ्जज्ञे; 40.49.: अष्टौ सञ्जज्ञिरे पुत्राः. 2) oriri. H. 1.14.: पाण्डुपुत्राणाम् मूर्क्षे 'व समजायत; SA. 5.2.

जन *m.* (r. जन् s. अ) 1) vir, homo, persona, *praesertim in plur.* DR. 3.5. BR. 2.12. N. 13.35.49. 14.14. — *Sing. praecedente pronomine demonstrativo interdum pronominis* 1*mae personae utriusque generis loco fungitur; e.c.* UR. 24.6.: तस्मिन् जने mihi (regi); 28.2. infr.: पूरुशो ऽयञ् जनः ego (Urvasia); 19.: अयञ् जनः ego (rex); RAGH. 8.80. 2) *Collect.* homines, *die Leute.* N. 10.10. 13.50.; SA. 7.5.; *in fine compp.* turba. N. 17.24.: बन्धुजनः; RAGH. 14.13.60.: श्वश्रूजन. (Hib. *duine* «man either male or female»; gr. δῆμος; vocis जन fortasse *Fem.* जना mulier exstitit, cui responderet goth. *qvinô*, Th. *qvinôn*, mulier, adjecto *n*, v. gr. comp. 142.; slav. ЖЕНА *schenà.*)

जनक (r. जन् s. अक) *Adj.* generans. Lass. 83.14. *Subst. m.* 1) genitor, pater. 2) n. pr. regis Mithilae. RAGH. 11. 38. (Nostrum *König*, germ. vet. *cuning, chuning* rex; v. जनी mulier, angl. *queen*; fortasse vocis जनक exstitit *Fem.* जनका vel जनकी, cum quo conveniret gr. ΓΥΝΑΙΚ quod e ΓΥΝΑΚΙ, regresso *ι* finali in antecedentem syllabam, explicaverim; lith. *z'mogùs* homo e *z'amogus* correptum esse videtur, mutato radicis *n* in *m*, sicut in *gamù*; v. जन्.)

जननी *f.* (r. जन् s. अन in *fem.*) genitrix. IN. 5.40. (Lith. *z'monà* mulier, quod e *z'amonà* correptum esse puto, nititur formâ जनना, v. जन् et जम्.)

जनपद् *n.* (e जन et पद् *n.* locus) regio, terra, rus. N. 12. 132. 26.33.